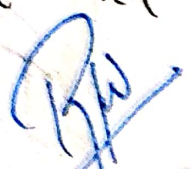


14-10-19

पूजावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उपर
 है। पूजावली का अवलोकन किया गया
 जो दि० ५-५-७ से कई अवसर तक
 देखा दिये जाये फिर दि० २६-८-७ को
 जानीम अवसर दिया गया परबु आज
 तक भी लखाना जोरि वेश नहीं किम
 है अतः प्रार्थी का ७-७ प्रा० २२ ०१२-५
 में स्वार्थ किया गया। पूजावली के
 सुमार दोकर दर्ज नम्बर से कम है।
 आदेश खुले न्यायालय में सुनाया गया।


 उप खण्ड अधिकारी
 सौमर लेख

